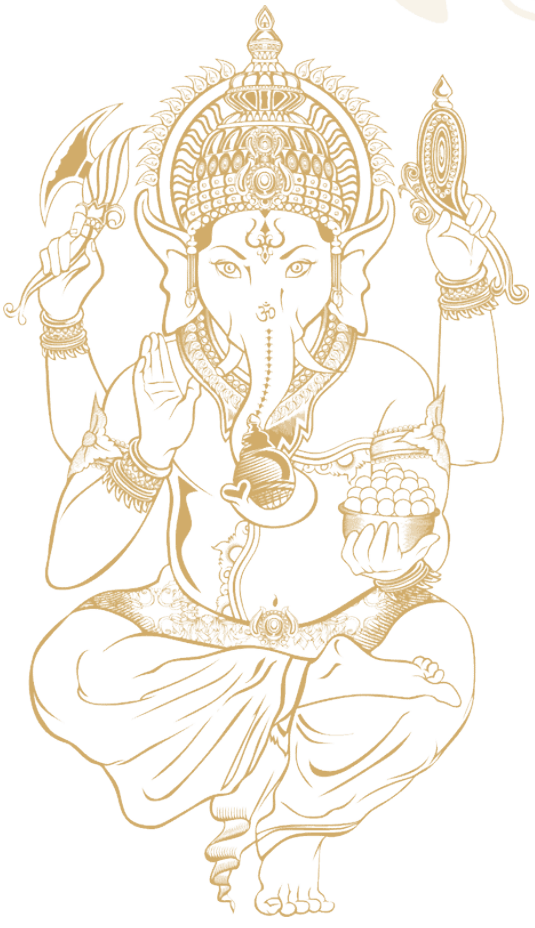

Samriddhi Gupta

13 Sep 2018

10:41 AM

Bhilai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121481015

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13/09/2018**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:41:00 घंटे**
इष्ट	12:05:23 घटी
स्थान	**Bhilai**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:13:00 उत्तर
रेखांश	81:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:36:44 घंटे
वेलान्तर	00:03:58 घंटे
साम्पातिक काल	10:05:20 घंटे
सूर्योदय	05:50:50 घंटे
सूर्यास्त	18:09:16 घंटे
दिनमान	12:18:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:15:40 सिंह
लग्न के अंश	01:45:47 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ऐन्द्र
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेणुका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:45:47	318:36:22	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			सिंह	26:15:40	00:58:25	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	स्वराशि
चंद्र			तुला	12:05:06	13:30:21	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			मक	06:19:38	00:12:57	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध		अ	सिंह	19:10:36	01:54:22	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			तुला	24:52:06	00:09:36	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	08:29:52	00:38:58	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	08:27:54	00:00:40	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
राहु	व		कर्क	10:47:15	00:06:05	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		मक	10:47:15	00:06:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	07:55:23	00:01:39	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	20:48:53	00:01:39	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	24:43:10	00:00:31	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			सिंह	05:05:38	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:51

लग्न-चलित

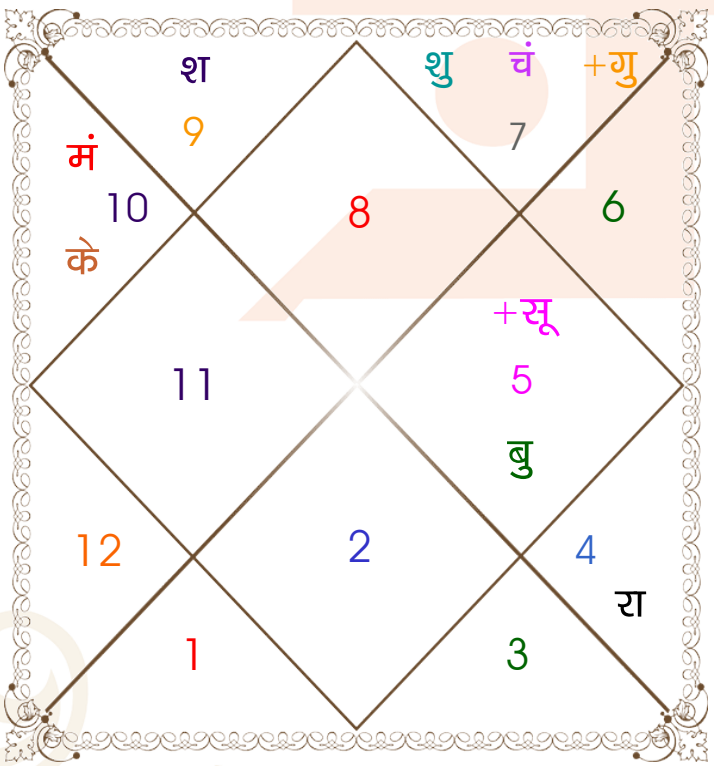

चन्द्र कुंडली

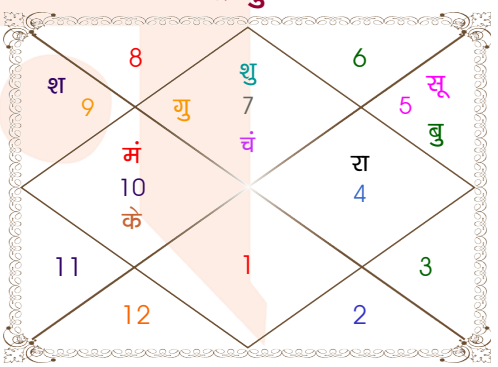

नवमांश कुंडली

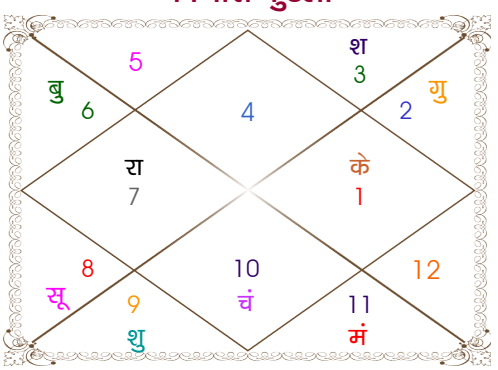

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 8 मास 6 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/09/2018		21/05/2029		21/05/2045		21/05/2064		21/05/2081	
21/05/2029		21/05/2045		21/05/2064		21/05/2081		21/05/2088	
	00/00/0000	गुरु	09/07/2031	शनि	24/05/2048	बुध	17/10/2066	केतु	17/10/2081
	13/09/2018	शनि	19/01/2034	बुध	01/02/2051	केतु	14/10/2067	शुक्र	17/12/2082
शनि	03/05/2019	बुध	26/04/2036	केतु	12/03/2052	शुक्र	14/08/2070	सूर्य	24/04/2083
बुध	19/11/2021	केतु	02/04/2037	शुक्र	12/05/2055	सूर्य	21/06/2071	चंद्र	23/11/2083
केतु	08/12/2022	शुक्र	02/12/2039	सूर्य	23/04/2056	चंद्र	19/11/2072	मंगल	20/04/2084
शुक्र	08/12/2025	सूर्य	19/09/2040	चंद्र	22/11/2057	मंगल	16/11/2073	राहु	09/05/2085
सूर्य	01/11/2026	चंद्र	19/01/2042	मंगल	01/01/2059	राहु	05/06/2076	गुरु	15/04/2086
चंद्र	02/05/2028	मंगल	26/12/2042	राहु	07/11/2061	गुरु	11/09/2078	शनि	24/05/2087
मंगल	21/05/2029	राहु	21/05/2045	गुरु	21/05/2064	शनि	21/05/2081	बुध	21/05/2088

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/05/2088		22/05/2108		22/05/2114		22/05/2124		22/05/2131	
22/05/2108		22/05/2114		22/05/2124		22/05/2131		00/00/0000	
शुक्र	20/09/2091	सूर्य	08/09/2108	चंद्र	22/03/2115	मंगल	18/10/2124	राहु	01/02/2134
सूर्य	19/09/2092	चंद्र	10/03/2109	मंगल	21/10/2115	राहु	05/11/2125	गुरु	27/06/2136
चंद्र	21/05/2094	मंगल	16/07/2109	राहु	21/04/2117	गुरु	12/10/2126	शनि	14/09/2138
मंगल	21/07/2095	राहु	09/06/2110	गुरु	21/08/2118	शनि	21/11/2127		00/00/0000
राहु	21/07/2098	गुरु	28/03/2111	शनि	22/03/2120	बुध	17/11/2128		00/00/0000
गुरु	22/03/2101	शनि	09/03/2112	बुध	21/08/2121	केतु	15/04/2129		00/00/0000
शनि	22/05/2104	बुध	14/01/2113	केतु	22/03/2122	शुक्र	15/06/2130		00/00/0000
बुध	22/03/2107	केतु	22/05/2113	शुक्र	21/11/2123	सूर्य	21/10/2130		00/00/0000
केतु	22/05/2108	शुक्र	22/05/2114	सूर्य	22/05/2124	चंद्र	22/05/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 9 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।